

# UGC NET Paper 1 2006 June

## www.Fillerform.info

---

### Previous Years Solved Questions - UGC NET Paper 1 for July 201

## Unit 3(Home work)Hindi/Eng-25 with ans

---

Read the following passage and answer the question nos. 11 to 15:

After almost three decades of contemplating Swarovski-encrusted navels on increasing flat abs, the Mumbai film industry is on a discovery of India and itself. With budgets of over 30 crore each, four soon to be released movies by premier directors are exploring the idea of who we are and redefining who the other is. It is a fundamental question which the bling-bling, glam-sham and disham-disham tends to avoid. It is also a question which binds an audience when the lights go dim and the projector rolls: as a nation, who are we? As a people, where are we going?

The Germans coined a word for it, zeitgeist, which perhaps Yash Chopra would not care to pronounce. But at 72, he remains the person who can best capture it. After being the first to project the diasporic Indian on screen in Lamhe in 1991, he has returned to his roots in a new movie. Veer Zaara, set in 1986, where Pakistan, the traditional other, the part that got away, is the lover and the saviour. In Subhas Ghai's Kisna, set in 1947, the other is the English woman. She is not a memsahib, but a mehbooba. In Ketan Mehta's The Rising, the East India Englishman is not the evil oppressor of countless cardboard characterisations, which span the spectrum from Jewel in the Crown to Kranti, but an honourable friend.

This is Manoj Kumar's Desh Ki dharti with a difference: there is culture, not contentious politics; balle balle, not bombs: no dooriyan (distance), only nazdeekiyan (closeness).

All four films are heralding a new hero and heroine. The new hero is fallible and vulnerable, committed to his dharma, but also not afraid of failure - less of a boy and more of a man. He even has a grown up name: Veer Pratap Singh in Veer-Zaara and Mohan Bhargav in Swades. The new heroine is not a babe, but often a bebe, dressed in traditional Punjabi clothes, often with the stereotypical body type as well, as in Bride and Prejudice of Gurinder Chadha.

11. Which word Yash Chopra would not be able to pronounce?

- (A) Bling + bling
- (B) Zeitgeist
- (C) Montaz
- (D) Dooriyan

**Answer: (B)**

12. Who made Lamhe in 1991?

- (A) Subhash Ghai
- (B) Yash Chopra
- (C) Aditya Chopra
- (D) Sakti Samanta

**Answer: (B)**

13. Which movie is associated with Manoj Kumar?

- (A) Jewel in the Crown
- (B) Kisna
- (C) Zaara
- (D) Desh Ki dharti

**Answer: (D)**

14. Which is the latest film by Yash Chopra?

- (A) Deewar
- (B) Kabhi Kabhi
- (C) Dilwale Dulhaniya Le Jayenge
- (D) Veer Zaara

**Answer: (D)**

15. Which is the dress of the heroine in Veer-Zaara?

- (A) Traditional Gujarati Clothes
- (B) Traditional Bengali Clothes
- (C) Traditional Punjabi Clothes
- (D) Traditional Madras Clothes

**Answer: (C)**

**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न उत्तर का उत्तर दें। 11 से 15:**

लगभग तीन दशकों के बाद स्वारोवस्की-एनक्लोड नाभि को बढ़ाने के लिए फ्लैट एब्स बनाने पर विचार करने के बाद, मुंबई फिल्म उद्योग भारत और खुद की खोज पर है। 30 करोड़ से अधिक के बजट के साथ, चार जल्द ही प्रमुख निर्देशकों द्वारा रिलीज़ की जाने वाली फ़िल्में इस विचार की खोज कर रही हैं कि हम कौन हैं और दूसरे को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। यह एक बुनियादी सवाल है, जो ब्लिंग-ब्लिंग, ग्लैम-शम और डिसम-डिशम से बचने के लिए जाता है। यह भी एक सवाल है जो एक दर्शक को बांधता है जब रोशनी मंद हो जाती है और प्रोजेक्टर रोल करता है: एक राष्ट्र के रूप में, हम कौन हैं? लोगों के रूप में, हम कहां जा रहे हैं?

जर्मनों ने इसके लिए एक शब्द गढ़ा, ज़ेगेटिस्ट, जिसे शायद यश चोपड़ा उच्चारण करने की परवाह नहीं करेंगे। लेकिन 72 साल की उम्र में, वह वह व्यक्ति है जो इसे सर्वश्रेष्ठ रूप से कब्जा कर सकता है। 1991 में लामे में प्रवासी भारतीय को पहली बार पर्दे पर लाने के बाद, वह एक नई फिल्म में अपनी जड़ों की ओर लौट आए हैं। वीर ज़ारा, 1986 में सेट, जहां पाकिस्तान, पारंपरिक अन्य, जो भाग गया वह प्रेमी और उद्धारकर्ता है। 1947 में स्थापित सुभाष घई की किसना में, दूसरी अंग्रेजी महिला है। वह एक मेमसाहिब नहीं है, बल्कि एक महबूबा है। केतन मेहता की द राइजिंग में, ईस्ट इंडिया अंग्रेज अनगिनत कार्डबोर्ड चरित्रों का दुष्ट उत्पीड़न करने वाला नहीं है, जो क्राउन में क्रांति से क्रांति तक के स्पेक्ट्रम का सम्मान करता है, लेकिन एक सम्मानजनक दोस्त है।

यह एक अंतर के साथ मनोज कुमार की देश की देन है: संस्कृति है, विवादास्पद राजनीति नहीं; balle balle, बम नहीं: कोई द्वारियान (दूरी), केवल nazdeekiyan (निकटता)।

सभी चार फिल्मों एक नए नायक और नायिका की शुरुआत कर रही हैं। नया नायक अपने धर्म के प्रति वचनबद्ध और कमजोर है, लेकिन असफलता से भी नहीं डरता - एक लड़के से कम और एक आदमी से ज्यादा। उनका बड़ा नाम भी है: वीर-ज़ारा में वीर प्रताप सिंह और स्वदेस में मोहन भार्गव। नई नायिका एक बेब नहीं है, लेकिन अक्सर एक पंजाबी, पारंपरिक पंजाबी कपड़े पहने हुए, अक्सर रूढ़िवादी शरीर के प्रकार के साथ, साथ ही गुरिंदर चड्ढा की दुल्हन और पक्षपाती में।

11. यश चोपड़ा किस शब्द का उच्चारण नहीं कर पाएंगे?

- (ए) ब्लिंग + ब्लिंग
- (बी) Zeitgeist
- (C) मॉटेज़
- (डी) डोरियान

उत्तर: (बी)

12. 1991 में लम्हे किसने बनाए थे?

- (ए) सुभाष घई
- (ख) यश चोपड़ा
- (C) आदित्य चोपड़ा
- (घ) शक्ति सामंत

उत्तर: (बी)

13. मनोज कुमार के साथ मैंने कौन सी फिल्म की है ?

(ए) क्राउन में गहना

(ख) किसना

(ग) ज़ारा

(घ) देश की धृति

**उत्तर:** (D)

14. यश चोपड़ा की नवीनतम फिल्म कौन सी है?

(A) देवर

(ख) कभी ना कभी

(ग) दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे

(घ) वीर ज़ारा

**उत्तर:** (D)

15. वीर-ज़ारा में नायिका की पोशाक कौन सी है?

(ए) पारंपरिक गुजराती कपड़े

(बी) पारंपरिक बंगाली कपड़े

(सी) पारंपरिक पंजाबी कपड़े

(डी) पारंपरिक मद्रास कपड़े

**उत्तर:** (सी)